अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2024) दिनांक : 27.08.2024

समय सीमा : 3 घंटा पंचम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

निर्जरा, बन्ध, मोक्ष–50

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें– 16

निर्जरा–किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) सविचार मरणांतिक अनशन किसे कहते हैं?

(ख) वचन योग प्रतिसंलीनता किसे कहते हैं?

(ग) अनशन आदि प्रथम चार तपों में परस्पर क्या अंतर है?

(घ) अन्त्य आहार किसे कहते हैं?

(ड़) नौ विकृतियों के उपरान्त वृद्धगाथा में अवगाहिम का क्या अर्थ कहा गया है?

(च) शुक्लध्यान की चार अनुप्रेक्षाओं में अंतिम अनुप्रेक्षा का वर्णन करें।

बंध–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(छ) प्रत्येक कर्म स्कन्ध में कितने व कौन-कौन से गुण होते हैं?

(ज) क्षेत्रावगाढ़ता किसे कहते हैं?

(झ) अपवर्तना किसे कहते हैं?

मोक्ष–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(ञ) सिद्ध कहां जाकर स्थित होते हैं? और कहां शरीर छोड़ते हैं?

(ट) पारंगत किसे कहते हैं?

(ठ) ऊंचे लोक में, समुद्र में, जलाशयों में और नीचे लोक में कितने जीव एक ही समय में सिद्ध हो सकते हैं?

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

निर्जरा–

(क) आश्रव संवर और निर्जरा कौन-कौन से भाव हैं?

अथवा

कर्मों के झड़ने के बावजूद कर्मों का अंत क्यों नहीं होता?

बंध व मोक्ष–

(ख) कर्म जीव को किस प्रकार पराधीन बनाता है?

अथवा

सम्यक् ज्ञान-दर्शन-चारित्र व तप से सिद्धि क्रम किस प्रकार बनता है?

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखें– 24

निर्जरा–

(क) स्वाध्याय तप के कितने प्रकार हैं?

अथवा

सहज निर्जरा, सकाम निर्जरा, अकाम निर्जरा के स्वरूप का विवेचन करें।

बंध व मोक्ष–

(ख) प्रदेश बंध का विवेचन करें।

अथवा

(ग) कर्मों के सम्पूर्ण क्षय की प्रक्रिया लिखें।

अवबोध (तप धर्म से बंध व विविध तक)–30

प्र. 4 किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में लिखें– 18

(क) क्या अंतराय गति में कर्म-बंध होता है?

(ख) क्या कर्म के उदय के बिना भी कर्म का बंध हो सकता है?

(ग) आत्म प्रदेश अधिक है या कर्म प्रदेश?

(घ) क्या उदय के बिना बंधे हुए कर्म फल देते हैं?

(ड़) क्या श्रेणी आरोहण के समय भावों की ही प्रधानता रहती है?

(च) भवोपग्राही कर्म किसे कहते हैं?

(छ) पांच भावों का कितने कर्मों से संबंध है?

(ज) काल करण किसे कहते हैं?

(झ) क्या फल प्राप्ति में द्रव्य काल आदि की कोई भूमिका होती है?

(ञ) कर्मों का अस्तित्व (सत्ता) कौन से गुणस्थान तक है?

(ट) एक भाव कहां होता है?

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 12

(क) क्या वीतराग के कर्म बंध होता है?

(ख) क्या शुभ अशुभ कर्म का बंध युगपत होता है? तथा शुभ कर्म को कैसे तोड़ा जा सकता है?

(ग) प्रायश्चित्त तथा विनय किसे कहते हैं? दोनों के कितने प्रकार हैं?

(घ) सन्निपातिक के कितने भंग हो सकते हैं?

श्रावक संबोध–20

प्र. 6 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) अम्बड़ सन्यासी ने राजगृह प्रथम, द्वितीय व तृतीय दिन किस-किस दिशा के द्वार पर प्रसिद्ध सन्यासी का रूप बनाकर उपस्थिति हुआ, पर सुलसा श्राविका उसके पास नहीं गई।

(ख) जैनों की वंदना विधि का क्या नाम है? और इससे किस ग्रंथि का स्त्राव नियंत्रित होते हैं?

(ग) धर्म के दो प्रकार कौन-कौन से हैं? उनका सम्बन्ध किस-किस के साथ है? धर्मसंघ के साप्ताहिक बुलेटिन का नाम लिखें।

(घ) शोभजी श्रावक द्वारा रचित प्रसिद्ध ग्रन्थ तथा अन्य तीन गीत कौन-कौन से हैं?

(ड़) आचार्य भिक्षु ने किस श्रावक को क्षायक सम्यक्त्व का धनी बताया? वे किस शहर व प्रान्त के रहने वाले थे? वे अपने किस मित्र के साथ रात्रि में आचार्य भिक्षु के पास गए थे?

(च) पुद्गल परावर्तन किसे कहते हैं?

प्र. 7 कोई चार पद्य लिखें– 12

(क) वह पद्य लिखें जिसमें पाक्षिक प्रतिक्रमण श्रावक की चर्या होनी चाहिए।

(ख) संयुक्त परिवार प्रथा में जो टूट फूट हो गई है–उस पद्य को लिखें।

(ग) भावी पीढ़ी के लिए सम्यक दर्शन में सहयोगी–वाला पद्य लिखें।

(घ) जिसमें श्रावकों को अम्मापिउ के समान कहा गया है–वह पद्य लिखें।

(ड़) श्रमणोपासक को अपनी चर्या खुद ही बोलनी चाहिए–वह पद्य लिखें।

(च) देखा-देखी की वृत्ति छोड़कर अपने विवेक बल से काम लें–वह पद्य लिखें।